|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- |
|  | |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| VARDAS | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
|  | |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| PAVARDĖ | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| GYVENAMOSIOS VIETOS ADRESAS, MIESTAS | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
|  | | | | | | | | | | | | | | | | |  |  | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
|  | DARBOVIETĖ | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| **8** | | **6** |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| MOBILUS TELEFONO NUMERIS | | | | | | | | | | | | | ELEKTRONINIO PAŠTO ADRESAS | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |

*Lietuvos ortopedų traumatologų draugijai*

# PRAŠYMAS

PRIIMTI Į LIETUVOS ORTOPEDŲ TRAUMATOLOGŲ DRAUGIJĄ

|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | **-** |  |  | **-** |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | DATA | | | | | | | | | |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |

|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | MIESTAS |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |

Prašau priimti mane į Lietuvos ortopedų traumatologų draugiją ir leisti tapti jos nariu(-e). Tapus draugijos nariu, įsipareigoju laikytis draugijos įstatų.

|  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- |
|  |  |  |  |
|  | VARDAS PAVARDĖ |  | PARAŠAS |